M.A. (Hindi) (New CBCS Pattern) Semester - IV

MAHNCBCS401 - Paper-XIII - Prachin Evam Madhyakalin Kavya

P. Pages : 3 **GUG/S/23/10516**

Time : Three Hours * 0 8 6 8 * Max. Marks : 80

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित में से **किन्ही तीन** पंद्याशों की संसदर्भ व्याख्या कीजिये। **30**

1) एक उदर दो चोंच है, पंछी एक कुरंड।
कहि रहिम कैसे जिए, जुदै-जुदै दो पिंड॥
एकै साधे सब सधै, सब साधे सद जाय।
रहिमन मूलहिं सांचिबो, फूलै फलै अघाय॥

2) मन्दार पुष्प सा जिसका
सर्वस्व समर्पित प्रभु को
जो स्वयं तपस्या है अब
का वेद-मन्त्र है उसको
यह आर-झाड़ जिस दिन भी।
ज्योतित होगी तेजस बन
त्रैलोक्य छोड़ तब प्रभु ही
आयेंगें देने दर्शन।

3) चमक बीजु, घन गरजि तरसा, बिरह काल होड़ जीउ गरासा
बरसै मेघ झकोरि -झकोरी। मोर दुइ नैंन धुवँ जस ओरी।
धनि सूखे भरे भादों माहाँ। अबहुँ न आएम्हि सिचेन्ही नहीं।
पुरबा लागि भूमि जल पूरी। आक जवास भई नस झूरै
थल जल भरे अपूर सब धरनि गगन मिलि एक।
धनि जोवन अवगह महँ, दे बूढ़त पिउ।

4) प्रत्येक वृक्ष का पत्ता प्रभु नाम सरीखा लगता,
हो फूल कहीं भी कोई प्रभु संकीर्तन सा लगता।
लगता वह स्वयं नदी है फूलों में कल-कल बहती
कोकिल बन कुंजों-कुजों प्रभु नाम देखते रहती।

5) नबहु रस के भाव बहु, तिनके भिन्न विचारा।
सबको 'केशवदास' हरि नामक है श्रृंगार।
प्रथम सिंगार सुहास्य-सब करूना-रूद्र सुबीर।
भव बीभत्स बखानियौं अद्भूत सोत सुधीर।

6) लागौं केलि करैं मझ बीरा। हंस लजाइ बैठ ओहि तीरा।
पद्मावती कौतुक कहँ राखी। तुम ससि होहु तराइए साखी।
बाद मेलि कै खेत पसारा। हार देइ जों खेलत हारा॥
सँवरिंहि साँवरि, गोरिहिं गोरी। आपनि आपनि लीन्ह सो जोरी।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी एक** प्रश्न का उत्तर लिखिये। **10**

अ) जायसी के 'पद्मावत' के आधार पर नागमती के विरह की वेदना स्पष्ट किजिए।

अथवा

आ) केशवदास की 'रसिक प्रिया' में व्यक्त भावों को स्पष्ट किजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं पाँचों** प्रश्नों के उत्तर लिखिये। **20**

1) रतनसेन नागमती को छोडकर कहां और क्यों जाते है?
2) 'शबरी का प्रभु प्रेम अनोखा है।' शबरी कविता के आधार पर संक्षेप में लिखिये।
3) रहीम के दोहों में व्यक्त नितीमत्ता को स्पष्ट किजिए।
4) केशवदास ने रामचंद्रिका में परशुराम का परिचय किस प्रकार दिया है? लिखिये।
5) अमीर खुसरों के काव्य में व्यक्त जीवन-दर्शन स्पष्ट किजिए।
6) रैदास का परिचय लिखिये।
7) ज्ञानेश्वर का साहित्य को योगदान स्पष्ट किजिये।

4. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर अति संक्षेप में लिखिये। **10**

1) शबरी का भक्ति-भाव किन बातों से स्पष्ट होता है?
2) रहीम प्रेम के संबंध में क्या कहते है?
3) पद्मावत के किस खंड में प्रकृति की सुंदरता का वर्णन कवि जायसी ने किया है?
4) दुष्यंत कुमार का परिचय दीजियें।
5) चंदवरदाई किस काल का प्रतिनिधीत्व करते है? उनके साहित्य की भाषा कौनसी थी?

5. निम्नलिखित निर्देशों के आधार पर वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिये। **10**

1) जायसी कृत 'पद्मावत' किस धारा का काव्य है।
   क) संत काव्यधारा ख) सूफी काव्य धारा
   ग) राम काव्यधारा घ) कृष्ण काव्य धारा

2) शबरी किसकी भक्ति में लीन थी?
   क) कृष्ण ख) शंकर
   ग) राम घ) गणेश

3) ‘रसिक प्रिया’ के रचनाकार है।

क) सूरदास ख) तुलसीदास

ग) रैदास घ) केशवदास

4) इनमें से कौनसे कवि घुमकड़ प्रवृत्ती के थें।

क) अमीर खुसरों ख) ज्ञानेश्वर

ग) कबीर घ) रैदास

5) गजलकार के रूप में जानने वाले कवि इनमें से कौन है?

क) अमीर खुसरों ख) इकबाल

ग) दुष्यंतकुमार घ) नीरज

6) हिंदी साहित्य में ‘नख-शिख वर्णन इस रस के अंतर्गत माना जाता है।

क) वीर रस ख) शांत रस

ग) रौद्र रस घ) श्रृंगार रस

7) ‘---------- पुष्प सा जिसका, सर्वस्व समर्पित प्रभु को।‘

क) गुलाब ख) मन्दार

ग) कमल घ) चमेली

8) ‘पद्मावत’ में तोते का नाम क्या था।

क) हीरालाल ख) हिरानाथ

ग) हिरामन घ) हरिदास

9) तुलसीदास की भक्ति ---------- है।

क) सख्य ख) दास्य

ग) विनय घ) सेवा

10) ज्ञानेश्वर का नाम इस भाषा साहित्य से जुड़ा है।

क) हिन्दी ख) भोजपूरी

ग) पंजाबी घ) मराठी

****